SSP 35 Unit 9 Lesson 1 सावधानी हटी दुर्घटना घटी (विराम-चिह्न आदि)

प्रिय छात्रो, आज हम सड़क पर चलती गाड़ियों तथा सड़क के कुछ नियमों की चर्चा आपके साथ इस पाठ में करेंगे | आइए अब इस पाठ को ध्यान से सुनते हैं :

पाठ :

मैं दस वर्ष की हो चुकी हूँ | अब मैं गाड़ी में आगे की सीट पर बैठती हूँ | मुझे आगे की सीट पर बैठकर, सामने देखने में बहुत अच्छा लगता है | मेरे बड़े भाई को भी गाड़ी चलानी आती है | मैं भी गाड़ी चलाना सीखना चाहती हूँ | पिताजी कहते हैं, "जब तुम अट्ठारह वर्ष की हो जाओगी, तब गाड़ी चलाना सीखना आरम्भ करना |" मुझे चलती गाड़ी में मज़ा आता है पर रास्ते में लाल बत्ती पर सबको रुकना चाहिए | पीली बत्ती पर चलने की तैयारी करनी होती है तथा हरी बत्ती मिलने पर हम गाड़ी चलाकर आगे ले जा सकते हैं | पैदल यात्री भी अपने लिए हरी बत्ती मिलने पर ही सड़क पार करते हैं | यदि यह 'ट्रैफ़िक-सिग्नल' न हो तो सड़क का अनुशासन ही भंग हो जाएगा | दुर्घटनाओं को रोकना कठिन हो जाएगा| सड़क पर चारों ओर 'ट्रैफ़िक-जाम' या यातायात रुक जाएगा | बीमार, वृद्ध तथा बच्चों को सड़क पार करने में बहुत कठिनाई होगी | पिताजी ने मुझे समझाया कि जगह-जगह पर ट्रैफ़िक-साइन या यातायात-चिह्न लगे हैं,उनका मतलब समझना चाहिए | सड़क पार करते समय दोनों ओर ध्यान से देखकर ही सड़क पार करनी चाहिए | सचमुच ये ट्रैफ़िक सिग्नल तथा ट्रैफ़िक पुलिस हमें दुर्घटना से बचाते हैं | मैं जब भी पिताजी के साथ गाड़ी में जाती हूँ तो रास्ते में लगे ट्रैफ़िक बोर्डों को समझने का पूरा प्रयास करती हूँ | यदि एक बोर्ड पर साठ किलोमीटर लिखा है तो उसका मतलब है किअपनी गाड़ी की गति

साठ किलोमीटर से ऊपर नहीं होनी चाहिए | अब तो सड़कों पर जगह- जगह स्पीड-कैमरे भी लगे हैं जो हमारी चलती गाड़ियों की गति को रिकॉर्ड करते हैं | हम सबको दुर्घटनाओं से बचने के लिए 'ट्रैफ़िक सिग्नल' या सड़क- निर्देशों का पालन करते हुए, सड़क पर वाहन चलाना चाहिए |

आइए इस पाठ में आए इन कठिन शब्दों के अर्थों को समझने का प्रयास करते हैं :

१. अनुशासन नियम-अनुसार

२. भंग होना टूटना

३. दुर्घटना बुरी घटना

४. यातायात सड़क पर चल रहे वाहन आदि

५. वृद्ध बूढ़ा

६. कठिनाई मुश्किल

७. चिह्न निशान

८. निर्देश आज्ञा

९. पालन करना मानना

१०. पैदल जाना पाँवों से चलना

अब आइए इन शब्दों से वाक्य बनाते हैं :

१. ***अनुशासन*** में रहने वाला व्यक्ति सफल होता है |

२. आज की सभा काम पूरा किए बिना ही ***भंग हो गई*** |

३. इस ***दुर्घटना*** में वह घायल हो गया था |

४. इस सड़क पर ***यातायात*** बहुत अधिक है |

५. मेरे दादाजी बहुत ***वृद्ध*** हैं |

६. वह इस पेड़ पर ***कठिनाई*** से चढ़ पाया |

७. सड़क पर से पारपथ के ***चिह्न*** मिट गए हैं |

८. हमें कल तक यह काम पूरा करने का ***निर्देश*** मिला है |

९. मैं अपने पिताजी की आज्ञा का ***पालन करती*** हूँ |

१०. वह बाज़ार ***पैदल जाता*** है |

आइए अब इन वाक्यों में प्रयुक्त विराम-चिह्न आदि को समझने का प्रयास करते हैं :

सड़क पर यातायात **अधिक है** | (| = पूर्ण विराम)

क्या सड़क पर यातायात अधिक **है ?** (? = प्रश्नवाचक चिह्न)

ओह ! सड़क पर यातायात बहुत **अधिक है** | (! = विस्मयादिबोधक चिह्न)

पुलिस ने कहा – **" सड़क पर 'ट्रैफ़िक-जाम' है |"**

(" " तथा ' ' = उद्धरण चिह्न तथा अवतरण चिह्न)

सड़क पर यातायात अधिक **है ;** ये गाड़ियाँ धीमी गति से चल रही हैं | (; = अर्द्ध विराम)

सड़क पर यातायात अधिक **है,** लाल बत्ती भी काम नहीं कर रही है | (, = अल्प विराम)

ड्राइवर **(चिल्लाते हुए)** बोला, "आप आगे चलिए |" {( )= कोष्ठक}

गाड़ी **धीरे-धीरे** चल रही है | (- = योजक-चिह्न)

अब आइए इस अनुच्छेद में इन विराम चिह्नों के प्रयोग को ध्यान से सुनते हैं :

मैं कल बाज़ार **गयी थी** |पता **नहीं,** कुछ दुकानें बंद क्यों थीं **?** ओह **!** कल वहाँ चोरी हो गई **थी** |

सब्ज़ीवाला बोला **, "यह घटना कल रात को हुई थी |"** सभी लोग हैरान **थे ;** वे पुलिसवालों से सही स्थिति की जानकारी चाहते **थे** | यह घटना **'मेन-स्ट्रीट'** में हुई **थी** | सभी व्यापारी, दुकानदार, फेरीवाले तथा अन्य लोग अलग-अलग तरह की बातें कर रहे थे | भीड़ को बढ़ता देखकर पुलिस ने **(डाँटते हुए) कहा, "आगे चलिए ! यहाँ भीड़ मत बढ़ाइए** |" इसके बाद सभी अपने-अपने काम में लग गए |

आशा है अब आप अपने पाठ में आए विराम-चिह्नों आदि के प्रयोग को समझते हुए , अपने पठन-कौशल को और अधिक सुगम्य बना पाएंगे तथा पाठ के अर्थ को आसानी से समझ पाएंगे |

धन्यवाद |